gradeup

# इतिहास के नोट्स
# वैदिक साहित्य और आर्य

**वैदिक साहित्य** की रचना **संस्कृत** में की गई थी। प्रारंभ में वेदों का पाठ होता था और लिखा नहीं गया था। इन्हें **मुंह-ज़बानी** सिखाया गया था। इसलिए उन्हें **श्रुति** (सुनाया जाने वाला) और **स्मृति** (याद रखने वाला) कहा जाता था। लेकिन बाद में इन्हें **लिपि की खोज** के बाद लिखने की दृष्टि से कम कर दिया गया।वैदिक काल की प्रमुख साहित्यिक एवं धार्मिक कृति में **चार वेद** और **उपनिषद** शामिल हैं। ये कृतियां अभी भी आध्यात्मिक और धार्मिक साहित्य के क्षेत्र में बहुत अधिक महत्व रखते हैं। कर्म (क्रिया) और मोक्ष (आध्यात्मिक मुक्ति) के विचार एवं सिद्धांत हिंदू धर्म के लोगों द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं

## चार वेद

वेद एक संस्कृत शब्द है। इसका अर्थ है **"ज्ञान"**। वेद चार होते हैं:

1. **ऋग्वेद**
2. **सामवेद**
3. **यजुर्वेद और**
4. **अथर्ववेद**

**1. ऋग्वेद**

- ऋचाओं (सूक्तों) का संग्रह
- सभी वेदों में से सबसे पुराना
- 1017 ऋचाएं या सूक्तों में "बालखिल्य सूक्त" जुड़ने के बाद इनकी संख्या 1028 हो गई
- **10 'मंडल'** और **8 'अष्टक'** में संकलित।
- **प्रसिद्ध गायत्री मंत्र इसी में है।**
- II, III, IV, V, VI और VII सबसे पुराने मंडल हैं
- I, VIII, IX, X नवीनतम मंडल हैं।
- दसवां **"मंडल"** या अध्याय जिसमें **"पुरुषसूक्त"** ऋचाएं है, शायद बाद में जोड़ा गया था।
- नवां मंडल पूरी तरह से देवता **'सोम'** को समर्पित है।
- दूसरे और सातवें मंडल की रचना गृत्समय, विश्वामित्र, वामदेव, अत्रि, भारद्वाज, वशिष्ठ, आठवें मंडल की रचना कण्व और अंगिरा, नवें मंडल की रचना सोम द्वारा की गई थी|

2. **सामवेद**

- ऋग्वेद के लिए **गाए जा सकने वाले** मंत्रों का संकलन
- **"गीतों की पुस्तक"** में 1,549 ऋचाएं शामिल हैं, जिन्हें **उद्गातृ** नामक ब्राह्मणों के एक विशेष वर्ग द्वारा 'सोम' के बलिदान में गाया गया था। लेकिन सामवेद के मूल मंत्र बहुत कम है।
- इसमें केवल 75 मूल मंत्र हैं।

3. **यजुर्वेद**

- **बलि मंत्रों** की पुस्तक
- **यज्ञों के अनुष्ठान**
- इसके पाठकर्ता को "अध्वर्यु" कहा जाता है।
- इसके मंत्र हमें बताते हैं कि बलि कैसे दी जाती थी और मंत्रों का उच्चारण करने वाले ब्राह्मण- "अध्वर्यु" ये बताते थे कि बलि के समय कौन से भाग की बलि दी जाती थी।
- **"चार शाखाओं"** में संकलित किया गया है

फ्री टेस्ट SSC CHSL Tier I 2019 Exam अटेम्प्ट करें

- **कृष्ण (काला) यजुर्वेद** और **शुक्ल (श्वेत) यजुर्वेद** में बांटा गया है
- गद्य पाठ

4. **<u>अथर्ववेद</u>**

- **जादू-टोने** के लिए **मंत्र**
- **अनुष्ठान प्रणाली** और अंधविश्वासों का वर्णन
- "शौनक" और "पिप्पलाद" संप्रदाय से संबद्ध
- 711/731/760 सूक्तों का संग्रह
- 'ट्राई' में शामिल नहीं है
- 20 "कांडों" में बांटा गया है
- 18वें, 19वें और 20वें **'कांड'** में अंतिम समय के कार्य हैं।
- **बुरी आत्माओं** से मुक्ति प्रदान करता है।
- **भारतीय चिकित्सा पर सबसे पुराना पाठ**।

**वैदिक साहित्य** और **इसके इतिहास** पर हमारे पिछले लेखों को जारी रखते हुए, यहां **वैदिक काल** और **उसके विवरण** श्रृंखला का अगला भाग दिया गया है। आर्यों के विस्तृत साहित्य दो भागों में बांटा गया है -

- **श्रुति**
- **स्मृति**

1. **श्रुति साहित्य:** वेद शब्द संस्कृत के शब्द **'वेद'** से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'आध्यात्मिक ज्ञान'। वेद चार प्रकार के हैं - **ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद** और **अथर्ववेद**। ऋग्वेद में केवल पहले तीन वेदों के संदर्भ में जानकारी दी गई है, जो यह बताता है कि चौथे **वेद** की रचना कुछ समय बाद की गई थी।

**वैदिक साहित्य प्राय: तीन अवधियों में विभाजित होता है: -**

- मंत्र काल जब संहिता की रचना की गई थी
- ब्राह्मण काल जब ब्राह्मण, उपनिषद और आरण्यक की रचना की गई
- सूत्र अवधि।
- **ब्राह्मण** एक व्यापक गद्य ग्रंथ हैं जिनमें मंत्रों के अर्थ संबंधी चिंतन दिए गए हैं, उनके अनुप्रयोगों के लिए नियम दिए गए हैं, जो बलि अनुष्ठानों से संबंधित कहानियों की उत्पत्ति और बाद में उनके गुप्त अर्थ बताते हैं।
- **आरण्यक** ब्राह्मण ग्रंथ का परिशिष्ट भाग हैं। यह संस्कारों, अनुष्ठानों और बलि पर अधिक बल नहीं देता है, लेकिन इसमें तत्वज्ञान और रहस्यवाद दिए गए हैं। इसमें आत्मा की समस्याओं, ब्रह्मांड की उत्पत्ति एवं तत्व और ब्रहमांड के सृजन का ज्ञान दिया गया है।

**आरण्यक: -**

- वास्तव में, इसका अर्थ है **'वन'**।
- आध्यात्म विज्ञान और तत्वज्ञान का बोध कराता है
- वनों में रहने वाले साधुओं एवं संतों का विवरण प्रस्तुत करता है
- चिंतन पर बल देता है
- **'यज्ञ'** प्रणाली का विरोध

उपनिषदों का वर्णन रहस्यवादी लेखों के रूप में करना उचित होगा। उपनिषदों की संख्या 108 है, उनमें से सबसे प्रमुख हैं- ईश, प्रश्न, ऐतरेय, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, कथोपनिषद, ईशोपनिषद, ब्रहदारण्यक, आदि हैं।

फ्री टेस्ट SSC CHSL Tier I 2019 Exam अटेम्प्ट करें

**उपनिषद**

- साहित्यिक अर्थ **'सत्र'** (गुरू के चरणों के पास बैठना) है जिसमें गुरु अपने शिष्यों को ज्ञान प्रदान करता है
- यह तत्व-मीमांसा और दर्शनशास्त्र का संयोजन है
- इन्हें **"वेदांत"** भी कहा जाता है
- सबसे प्राचीन उपनिषद **"ब्रहदारण्यक"** और **"छान्दोग्य"** हैं
- बाद में **"कठ"** और **"श्वेताश्वतर"** जैसे **उपनिषद** को काव्य रूपों में लिखा गया है।
- ब्रह्मा तत्वज्ञान का सारांश है, जो संसार का एकमात्र 'सत्य' है।
- उपनिषदों के अनुसार ज्ञान से मोक्ष की प्राप्ति होती है
- संभवत: सबसे प्राचीन नरसिंहपुरवातापनी
- संभवत: सबसे नवीन अकबर के शासनकाल में अल्लोपनिषद

2. **स्मृति साहित्य:** स्मृति पारंपरिक ग्रंथ है और वैदिक शास्त्रीय संस्कृत साहित्य के लगभग पूर्ण स्वरूप का वर्णन करता है। स्मृति साहित्य में प्राय: निम्न अतिव्यापी विषय शामिल होते हैं: -

- **वेदांग:** ये वेदों के सहायक के रूप में माने जाने वाले बाद के वैदिक अध्ययनों की कुछ शाखाओं का उल्लेख करते हैं। वेदांगों को पारंपरिक रूप से छह शीर्षकों में विभाजित किया गया है: -

1. **कल्प** या अनुष्ठान सिद्धांत, **धर्म शास्त्र** या विधि संहिता सहित,
2. **ज्योतिष** या खगोल शास्त्र,

- **शिक्षा** या ध्वनि शास्त्र,

1. **छन्द** या मैत्रि
2. **निरुक्त** या व्युत्पत्ति शास्त्र
3. **व्याकरण** (ग्रामर)

- **षड-दर्शन:** हिंदू दर्शन के छह रूढ़िवादी पाठशाला, अर्थात् न्याय, 'वैशेषिक', सांख्य, योग, मीमांसा और वेदांत हैं।
- **इतिहास:** पौराणिक या अर्ध-पौराणिक कृतियां, विशेष रूप से रामायण और महाभारत और प्राय: पुराण तक विस्तृत है।
- **पुराण:** प्राचीन किंवदंतियों के काफी बाद के चित्रण के कारण, ये अंधविश्वासों से भरे हुए हैं। पुराण हिंदू धर्म के सबसे भ्रष्ट रूप का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी संख्या 18 है-

**अठारह पुराण**

- ब्रह्म पुराण
- विष्णु पुराण
- शिव पुराण
- पद्म पुराण
- श्रीमद् भागवत पुराण
- अग्नि पुराण
- नारद पुराण
- मार्कण्डेय पुराण
- भविष्य पुराण

फ्री टेस्ट SSC CHSL Tier I 2019 Exam अटेम्प्ट करें

- लिंग पुराण
- वाराह पुराण
- वामन पुराण
- ब्रह्म वैवर्त पुराण
- स्कन्द पुराण
- सूर्य पुराण
- मत्स्य पुराण
- गरुड़ पुराण
- ब्रह्माण्ड पुराण

**उपवेद:** सहायक वेदों के रूप में भी जाने जाते हैं, इनमें चिकित्सा, वास्तुकला, श्रृंगार, तीरंदाजी और विभिन्न कला और शिल्प की जानकारी दी गई है। ये आंशिक रूप से मूल वैदिक ग्रंथों से उत्पन्न हुए थे और परंपरागत रूप से एक या कई वेदों से संबद्ध थे।

**तंत्र:** तंत्र शाक्त या शैव संप्रदायों के लेखन और कुछ विरोधी बौद्ध विद्वानों के लेखन भी हैं।

**आगम:** वे वैष्णव, शैव और शाक्त जैसे सांप्रदायिक हिंदुओं के ग्रंथ हैं।

**उपंग:** वे किसी भी ग्रंथों के संग्रह के लिए एक सामान्य नाम हैं हालांकि पारंपरिक रूप से 'न्याय' और 'मीमांसा'- 'धर्म सूत्र' 'पुराण' और 'तंत्र' की दार्शनिक प्रणालियों तक सीमित हैं।

**महाकाव्य**

कुछ इतिहासकार बाद के वैदिक काल को महाकाव्य के काल के रूप में देखते हैं। *महाभारत* और *रामायण* इस काल के दो महान महाकाव्य हैं।

***रामायण:*** इसकी रचना ऋषि, वाल्मीकि द्वारा की गई है। इससे संबंधित घटना *महाभारत* से लगभग 150 वर्ष से पहले की है। रामायण की कहानी स्वदेशी है और एक से अधिक संस्करणों में प्राकृत में लिखी लोकप्रिय गाथा पर आधारित छोटे छंदों का काव्य थी। इसे पुन: संस्कृत में लिखा गया था और कई 'श्लोकों' के साथ संवर्धित किया गया था। महाकाव्य को एक ब्राह्मण चरित्र दिया गया था जो मूल कार्य में दृश्य नहीं था। इसे *आदि काव्य* भी कहा जाता है। रामायण के सबसे पुराने साक्ष्य 350 ईसा पूर्व से पहले के हैं। यवन और शक के शासकों से मिलते-जुलते महाकाव्य के संदर्भों से पता चलता है कि इसका ग्रेको-सिथियन काल में एक साथ विकास हुआ और हो सकता है कि इसने लगभग 250 ईस्वी तक अपना अंतिम स्वरूप हासिल कर लिया हो।

***महाभारत:*** महाभारत सबसे बड़ा महाकाव्य है जिसमें 100,000 छंद शामिल हैं और इसे 18 पर्वों (पुस्तकों) में बांटा गया है। यह पुस्तक आमतौर पर ऋषि वेद व्यास द्वारा लिखित मानी जाती है, लेकिन कई विद्वानों ने यह संदेह व्यक्त किया है कि यह बड़ा कार्य एक व्यक्ति द्वारा कैसे पूरा किया जा सकता है। कहानी स्वयं काव्य के केवल एक-चौथाई हिस्से से ली गई है। यह कहानी आर्य- कौरव एवं पांडव के बीच के युद्ध के बारे मे है।

शेष ब्रह्माण्ड विज्ञान, सिद्धांत, राज्य शिल्प, युद्ध विज्ञान, आचार संहिता, पौराणिक इतिहास, पौराणिक कथाओं, परी कथाओं और कई विषयांतर और दार्शनिक अंतराल शामिल है, जिसमें सबसे अच्छी तरह से ज्ञात ***भगवद् गीता***

## वैदिक काल और आर्य

- आर्य अर्ध-खानाबदोश चारागाही लोग थे और ये मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के आस-पास के इलाके से आये थे (कई इतिहासकारों ने इनके मूल स्थान के बारे में विभिन्न सिद्धांत दिए हैं)। मध्य एशियाई सिद्धांत **मैक्स मूलर** द्वारा दिया गया है।
- 1500 ईसा पूर्व के आसपास खैबर दर्रे (हिंदुकुश पर्वत) के माध्यम से भारत में प्रवेश किया।

फ्री टेस्ट SSC CHSL Tier I 2019 Exam अटेम्प्ट करें

**प्रारंभिक वैदिक या ऋग्वैदिक काल (1500- 1000 ईसा पूर्व)**

**राजनीतिक संगठन**

- राजतंत्रीय रूप में था। जनजाति को जन और उसके राजा को **राजन** के रूप में जाना जाता था।
- परिवार समाज की मूल इकाई थी। परिवार की प्रकृति पितृ प्रधान थी।

**अर्थव्यवस्था**

- आर्यों ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का पालन किया, अर्थात चारागाही और कृषि जिसमें मवेशी प्रमुख भूमिका निभाते थे।
- विनिमय की मानक इकाई गाय थी। उस समय सिक्के भी प्रचलित थे।

**धर्म**

- आर्यों ने प्राकृतिक शक्तियों पर विश्वास किया और उन्हें जीवित प्राणियों के रूप में देखा।
- सबसे प्रमुख देव **इंद्र** थे जिन्होंने युद्ध देवता की भूमिका निभाई (किलों का तोड़ने वाले- पुरंदर)

**बाद का वैदिक काल (1000- 600 ईसा पूर्व) (चित्रित ग्रे वेयर चरण)**

**राजनीतिक संगठन**

- शक्तिशाली साम्राज्यों द्वारा छोटी जनजातीय बस्तियों को स्थापित किया गया।

**सामाजिक**

- समाज के चार भाग स्पष्ट हो गए, शुरुआत में व्यवसाय पर आधारित थे, जो बाद में वंशानुगत हो गया:

*ब्राह्मणों* (पुजारी), *क्षत्रिय* (योद्धा), *वैश्य* (कृषिविद, मवेशी- पालक, व्यापारियों), *शूद्र* (उपरोक्त तीन के सेवक)।

- गोत्र की प्रथा इस काल में पहली बार दिखाई दी।

**धर्म**

- इंद्र तथा अग्नि का महत्व समाप्त हो गया। *प्रजापति* (विधाता) सर्वोच्च बन गए। **विष्णु** को लोगों के पालक और संरक्षक के रूप में माना जाने लगा।

**वैदिक साहित्य**

**वेद**

- **वेद** शब्द **"विदि"** से लिया गया है जिसका अर्थ है **ज्ञान**। ये चार हैं - **ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद** और **अथर्ववेद**।
- **ऋग्वेद**
- संसार में सबसे पुराना धार्मिक ग्रंथ।
- 1,028 ऋचाएं शामिल हैं और 10 मंडल में बांटा गया है।
- **सामवेद**
- **समन** मूल अर्थात "लय-राग" से व्युत्पन्न। यह लय-राग का संग्रह है।
- **यजुर्वेद**
- बलि प्रदर्शन की प्रक्रिया से संबंधित है।
- **अथर्ववेद**
- अधिकतर जादू-टोने से संबंधित (लोगों की व्यक्तिगत समस्याओं के साथ)।

**उपनिषद**

- ***वेदांत*** कहा जाता है।
- ये भारतीय दर्शनशास्त्र का मुख्य स्रोत हैं, इनकी संख्या 108 है।

फ्री टेस्ट SSC CHSL Tier I 2019 Exam अटेम्प्ट करें

**ब्राह्मण**

- इन्होंने बलि के अर्थ और उन्हें करने के तरीकों की व्याख्या की।
- यजुर्वेद में शतपथ ब्राह्मण ब्राह्मणों में सबसे बड़े हैं।

**आरण्यक**

- इन ग्रंथों का अध्ययन वनों में किया गया था।
- ये निर्देशों की पुस्तक है।

**महाकाव्य**

महाभारत

- यह **वेद व्यास** द्वारा संस्कृत में लिखा गया था।
- इसमें 950 ईसा पूर्व कौरवों और पांडवों के बीच कुरुक्षेत्र में हुए एक युद्ध का वर्णन है।
- "महाभारत" के फारसी अनुवाद की पुस्तक का नाम ***रज्मनामा*** है जिसकी रचना ***बदायूंनी*** ने की थी।

**रामायण**

- यह **वाल्मीकि** द्वारा संस्कृत में लिखा गया था।
- इसमें 24000 श्लोक हैं, इसे **आदि काव्य** भी कहा जाता है।
- इसका फारसी अनुवाद **बदायूंनी** और तमिल अनुवाद **कंबन** द्वारा किया गया।
- रामचरितमानस की रचना तुलसीदास ने की।

**पुराण**

- पुराणों की संख्या 18 है।
- यह चौथी शताब्दी में गुप्त काल के दौरान लिखे गये थे।
- मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन पुराण है।

फ्री टेस्ट SSC CHSL Tier I 2019 Exam
अटेम्प्ट करें

# SSC CHSL Tier I 2019
# ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़

1. नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर आधारित
2. हिंदी तथा इंग्लिश में उपलब्ध
3. ऑल इंडिया रैंक और प्रदर्शन विश्लेषण
4. समाधान की विस्तृत विवरण
5. वेब और मोबाइल पर उपलब्ध

gradeup